UP Board Class 12 Hindi 2026 (Set 301 BA) Question Paper

General Instructions

(i) This question paper contains 14 questions. All questions are compulsory.

(ii) It comprises 16 single-correct multiple-choice questions.

(iii) Attempt every question; detailed solutions are provided in the companion solutions booklet.

1(a). 'ध्रुवस्वामिनी' गद्य-विधा की रचना है

(A) उपन्यास

(B) कहानी

(C) नाटक

(D) जीवनी

1(b). 'त्यागपत्र' उपन्यास के लेखक हैं

(A) प्रेमचन्द

(B) जैनेन्द्र कुमार

(C) रामचन्द्र शुक्ल

(D) मोहन राकेश

1(c). 'वसुधा' पत्रिका के सम्पादक हैं

(A) हरिशंकर परसाई

(B) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(C) प्रताप नारायण मिश्र

(D) महादेवी वर्मा

1(d). राहुल सांकृत्यायन की रचना है

(A) 'अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा'

(B) 'परीक्षा गुरु'

(C) 'संयोगिता स्वयंवर'

(D) इनमें से कोई नहीं

1(e). 'मेरे निबंध' किसकी रचना है?

(A) प्रताप नारायण मिश्र

(B) श्याम सुन्दर दास

(C) बाबू गुलाब राय

(D) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

2(a). निम्नलिखित में से तारसप्तक के कवि हैं

(A) रामविलास शर्मा

(B) भवानी प्रसाद मिश्र

(C) शमशेर बहादुर सिंह

(D) रघुवीर सहाय

2(b). 'अब्र' उपनाम से उर्दू में गजलों की रचना की

(A) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने

(B) बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमघन' ने

(C) प्रताप नारायण मिश्र ने

(D) अमीर खुसरो ने

2(c). 'यामा' के रचयिता हैं

(A) महादेवी वर्मा

(B) सुभद्राकुमारी चौहान

(C) विद्यापति

(D) जगनिक

2(d). 'अनामिका' किसकी रचना है?

(A) जयशंकर प्रसाद

(B) महादेवी वर्मा

(C) सुमित्रानंदन पंत

(D) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

2(e). 'मैंने उसको जब-जब देखा - लोहा देखा' पंक्ति के रचयिता हैं

(A) नागार्जुन

(B) केदारनाथ अग्रवाल

(C) मुक्तिबोध

(D) रामधारी सिंह 'दिनकर'

3(a). *गद्यांश:* राष्ट्र का तीसरा अंग जन की संस्कृति है। मनुष्यों ने युगों-युगों में जिस सभ्यता का निर्माण किया है, वही उसके जीवन की श्वास-प्रश्वास है। बिना संस्कृति के जन की कल्पना कबंध मात्र है, संस्कृति ही जन का मस्तिष्क है। संस्कृति के विकास और अभ्युदय के द्वारा ही राष्ट्र की वृद्धि सम्भव है। राष्ट्र के समग्र रूप में भूमि और जन के साथ-साथ जन की संस्कृति का महत्वपूर्ण स्थान है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ एवं लेखक के नाम लिखिए।

3(b). *गद्यांश:* राष्ट्र का तीसरा अंग जन की संस्कृति है। मनुष्यों ने युगों-युगों में जिस सभ्यता का निर्माण किया है, वही उसके जीवन की श्वास-प्रश्वास है। बिना संस्कृति के जन की कल्पना कबंध मात्र है, संस्कृति ही जन का मस्तिष्क है। संस्कृति के विकास और अभ्युदय के द्वारा ही राष्ट्र की वृद्धि सम्भव है। राष्ट्र के समग्र रूप में भूमि और जन के साथ-साथ जन की संस्कृति का महत्वपूर्ण स्थान है।

(ख) राष्ट्र का तीसरा अंग क्या है?

3(c). *गद्यांश:* राष्ट्र का तीसरा अंग जन की संस्कृति है। मनुष्यों ने युगों-युगों में जिस सभ्यता का निर्माण किया है, वही उसके जीवन की श्वास-प्रश्वास है। बिना संस्कृति के जन की कल्पना कबंध मात्र है, संस्कृति ही जन का मस्तिष्क है। संस्कृति के विकास और अभ्युदय के द्वारा ही राष्ट्र की वृद्धि सम्भव है। राष्ट्र के समग्र रूप में भूमि और जन के साथ-साथ जन की संस्कृति का महत्वपूर्ण स्थान है।

(ग) जन का मस्तिष्क क्या है?

3(d). *गद्यांश:* राष्ट्र का तीसरा अंग जन की संस्कृति है। मनुष्यों ने युगों-युगों में जिस सभ्यता का निर्माण किया है, वही उसके जीवन की श्वास-प्रश्वास है। बिना संस्कृति के जन की कल्पना कबंध मात्र है, संस्कृति ही जन का मस्तिष्क है। संस्कृति के विकास और अभ्युदय के द्वारा ही राष्ट्र की वृद्धि सम्भव है। राष्ट्र के समग्र रूप में भूमि और जन के साथ-साथ जन की संस्कृति का महत्वपूर्ण स्थान है।

(घ) राष्ट्र की वृद्धि किस प्रकार सम्भव है?

3(e). *गद्यांश:* राष्ट्र का तीसरा अंग जन की संस्कृति है। मनुष्यों ने युगों-युगों में जिस सभ्यता का निर्माण किया है, वही उसके जीवन की श्वास-प्रश्वास है। बिना संस्कृति के जन की कल्पना कबंध मात्र है, संस्कृति ही जन का मस्तिष्क है। संस्कृति के विकास और अभ्युदय के द्वारा ही राष्ट्र की वृद्धि सम्भव है। राष्ट्र के समग्र रूप में भूमि और जन के साथ-साथ जन की संस्कृति का महत्वपूर्ण स्थान है।

(ङ) राष्ट्र के समग्र रूप में किन चीजों का महत्वपूर्ण स्थान है?

OR

3(a). *पद्यांश:* रोकहिं जो तो अमंगल होय औ प्रेम नसै जो कहैं पिय जाइये। जौ कहे जाहु न तो प्रभुता जौ कहूँ न कहै तो सनेह नसाइये। जो 'हरिचंद कहैं तुमरे बिनु जीहै' न तो यह क्यौ पतिआइये। तासों पयान समै तुमरे हम का कहैं आपै हमै समझाइये।।

(क) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ और रचयिता का नाम लिखिए।

3(b). *पद्यांश:* रोकहिं जो तो अमंगल होय औ प्रेम नसै जो कहैं पिय जाइये। जौ कहे जाहु न तो प्रभुता जौ कहूँ न कहै तो सनेह नसाइये। जो 'हरिचंद कहैं तुमरे बिनु जीहै' न तो यह क्यौ पतिआइये। तासों पयान समै तुमरे हम का कहैं आपै हमै समझाइये।।

(ख) रेखांकित अंश ('जौ कहे जाहु न तो प्रभुता जौ कहूँ न कहै तो सनेह नसाइये') की व्याख्या कीजिए।

3(c). *पद्यांश:* रोकहिं जो तो अमंगल होय औ प्रेम नसै जो कहैं पिय जाइये। जौ कहे जाहु न तो प्रभुता जौ कहूँ न कहै तो सनेह नसाइये। जो 'हरिचंद कहैं तुमरे बिनु जीहै' न तो यह क्यौ पतिआइये। तासों पयान समै तुमरे हम का कहैं आपै हमै समझाइये।।

(ग) प्रस्तुत पद्यांश किस भाषा में लिखा गया है?

3(d). *पद्यांश:* रोकहिं जो तो अमंगल होय औ प्रेम नसै जो कहैं पिय जाइये। जौ कहे जाहु न तो प्रभुता जौ कहूँ न कहै तो सनेह नसाइये। जो 'हरिचंद कहैं तुमरे बिनु जीहै' न तो यह क्यौ पतिआइये। तासों पयान समै तुमरे हम का कहैं आपै हमै समझाइये।।

(घ) 'प्रभुता' और 'सनेह' शब्दों के अर्थ लिखिए।

3(e). *पद्यांश:* रोकहिं जो तो अमंगल होय औ प्रेम नसै जो कहैं पिय जाइये। जौ कहे जाहु न तो प्रभुता जौ कहूँ न कहै तो सनेह नसाइये। जो 'हरिचंद कहैं तुमरे बिनु जीहै' न तो यह क्यौ पतिआइये। तासों पयान समै तुमरे हम का कहैं आपै हमै समझाइये।।

(ङ) नायिका किस बात में प्रभुता नहीं मानती है?

4(a). देख-देख नाचता हृदय बहने को महाविकल-बेकल, इस मरोर से - इसी शोर से सघन घोर गुरु गहन रोर से मुझे गगन का दिखा सघन वह छोर राग अमर! अंबर में भर निज रोर।

(क) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ और रचयिता का नाम लिखिए।

4(b). देख-देख नाचता हृदय बहने को महाविकल-बेकल, इस मरोर से - इसी शोर से सघन घोर गुरु गहन रोर से मुझे गगन का दिखा सघन वह छोर राग अमर! अंबर में भर निज रोर।

(ख) रेखांकित अंश ('देख-देख नाचता हृदय बहने को महाविकल-बेकल') की व्याख्या कीजिए।

4(c). देख-देख नाचता हृदय बहने को महाविकल-बेकल, इस मरोर से - इसी शोर से सघन घोर गुरु गहन रोर से मुझे गगन का दिखा सघन वह छोर राग अमर! अंबर में भर निज रोर।

(ग) इस अवतरण में कवि किसकी गंभीर गर्जना के बारे में बात कर रहा है?

4(d). देख-देख नाचता हृदय बहने को महाविकल-बेकल, इस मरोर से - इसी शोर से सघन घोर गुरु गहन रोर से मुझे गगन का दिखा सघन वह छोर राग अमर! अंबर में भर निज रोर।

(घ) 'बेकल' और 'रोर' शब्दों के अर्थ लिखिए।

4(e). देख-देख नाचता हृदय बहने को महाविकल-बेकल, इस मरोर से - इसी शोर से सघन घोर गुरु गहन रोर से मुझे गगन का दिखा सघन वह छोर राग अमर! अंबर में भर निज रोर।

(ङ) इस पद्यांश में कवि ने किस प्रसंग का वर्णन किया है?

OR

4(a). भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अंग है। संस्कृति परंपरा से निःसृत होने पर भी परिवर्तनशील और गतिशील है। उसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है। वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्‌भूत नयी सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिए भाषा के परंपरागत रूप पर्याप्त नहीं हैं।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक के नाम लिखिए।

4(b). भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अंग है। संस्कृति परंपरा से निःसृत होने पर भी परिवर्तनशील और गतिशील है। उसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है। वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्‌भूत नयी सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिए भाषा के परंपरागत रूप पर्याप्त नहीं हैं।

(ख) रेखांकित अंश ('संस्कृति परंपरा से निःसृत होने पर भी परिवर्तनशील और गतिशील है') की व्याख्या कीजिए।

4(c). भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अंग है। संस्कृति परंपरा से निःसृत होने पर भी परिवर्तनशील और गतिशील है। उसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है। वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्‌भूत नयी सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिए भाषा के परंपरागत रूप पर्याप्त नहीं हैं।

(ग) भाषा किसका अटूट अंग है?

4(d). भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अंग है। संस्कृति परंपरा से निःसृत होने पर भी परिवर्तनशील और गतिशील है। उसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है। वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्‌भूत नयी सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिए भाषा के परंपरागत रूप पर्याप्त नहीं हैं।

(घ) 'उद्‌भूत' और 'परम्परागत' शब्दों के अर्थ लिखिए।

4(e). भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अंग है। संस्कृति परंपरा से निःसृत होने पर भी परिवर्तनशील और गतिशील है। उसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है। वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्‌भूत नयी सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिए भाषा के परंपरागत रूप पर्याप्त नहीं हैं।

(ङ) नयी सांस्कृतिक हलचलें कैसे उत्पन्न होती हैं?

5(a). निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए, उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द): **पं० दीनदयाल उपाध्याय**

OR

निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए, उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द): **कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'**

OR

निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए, उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द): **वासुदेवशरण अग्रवाल**

5(b). निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए, उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द): **सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'**

OR

निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए, उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द): **जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'**

OR

निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए, उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द): **सुमित्रानंदन पंत**

6. 'खून का रिश्ता' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए। (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द)

OR

'लाटी' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द)

7(a). 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के अंतिम सर्ग की घटना पर प्रकाश डालिए।

OR

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कुन्ती' को चरित्र-चित्रण कीजिए।

7(b). 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

OR

'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य की विशेषताएँ संक्षेप में लिखिए।

7(c). 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं पर प्रकाश डालिए।

OR

'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर 'महात्मा गाँधी' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

7(d). 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

OR

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं पर प्रकाश डालिए।

7(e). 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की वह घटना जो आपको प्रेरणादायी लगी हो, उसका संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

OR

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के प्रमुख नारी पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

7(f). 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'युधिष्ठिर' का चरित्रांकन कीजिए।

OR

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

8(a). निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए:

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणश्च सुनिश्चितम् । तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यश्च वर्तते । किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणां संस्कृतवाङ्मयं ददाति न तादृशीं किञ्चिदन्यत् । मूलभूतानां मानवीयगुणानां यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते, नान्यत्र तादृशी । दया, दान, शौचम्, औदार्यम्, अनसूया, क्षमा अन्ये चानेके गुणाः अस्य साहित्यस्य अनुशीलनेन सञ्जायते ।

OR

निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए

अतीते प्रथमकल्पे चतुष्पदाः सिंहं राजानमकुर्वत् । मत्स्या आनन्दमत्स्यं, शकुनयः सुवर्णहंसम् । तस्य पुनः सुवर्णराजहंसस्य दुहिता हंसपोतिका अतीव रूपवती आसीत् । स तस्यै वरमदात् यत् सा आत्मनश्चिररुचितं स्वामिनं वृणुयात् इति । हंसराजः तस्यै वरं दत्वा हिमवति शकुनिसङ्घे संन्यपतत् । नानाप्रकाराः हंसमयूरादयः शकुनिगणाः समागत्य एकस्मिन् महति पाषाणतले संन्यपतन् ।

8(b). निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए:

अनाकृष्टस्य विषयैर्विद्यानां पारदृश्वनः । तस्य धर्मरतेरासीद् वृद्धत्वं जरसा विना ।।

OR

निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए

न चौरहार्यं न च राजहार्यं न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि । व्यये कृते वर्द्धत एव नित्यं विद्याधनं सर्वधनं प्रधानम् ।।

9(a). निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए। (क) मूर्खाणां कालः कथम् गच्छति?

9(c). निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए। (ग) हिन्दू विश्वविद्यालयस्य संस्थापकः कः आसीत्?

10(a). 'हास्य' रस अथवा 'करुण' रस की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण दीजिए।

10(b). उपमा अलंकार अथवा श्लेष अलंकार की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण दीजिए।

10(c). 'सोरठा' छन्द अथवा 'वसन्ततिलका' छन्द की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण दीजिए।

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए: **सोशल मीडिया : वरदान या अभिशाप**

OR

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए: **जीवन और समय प्रबन्धन**

OR

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए: **वन-संरक्षण का महत्त्व**

OR

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए: **राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त**

OR

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए: **विश्व में हिन्दी के बढ़ते कदम**

12(a)(i). 'निश्चयः' का सन्धि-विच्छेद है

(A) निश् + चयः

(B) निस + चयः

(C) निस् + चयः

(D) निश + चयः

12(a)(ii). 'प्रोषति' का सन्धि-विच्छेद है

(A) प्रा + ओषति

(B) प्र + ओषति

(C) प्रौ + ओषति

(D) प्रे + ओषति

12(a)(iii). 'गायति' का सन्धि-विच्छेद है

(A) गै + अति

(B) गे + अति

(C) गो + अति

(D) गौ + अति

12(b). निम्नलिखित में से किसी एक पद का विग्रह करके समास स्पष्ट कीजिए: **महादेवः**

OR

निम्नलिखित में से किसी एक पद का विग्रह करके समास स्पष्ट कीजिए: **नीलकमलम्**

OR

निम्नलिखित में से किसी एक पद का विग्रह करके समास स्पष्ट कीजिए: **अनुरूपम्**

13(a)(i). निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में प्रत्यय बताइए। 'खादित्वा' शब्द में प्रत्यय है

(A) तव्यत्

(B) क्त्वा

(C) अनीयर्

(D) क्त

13(a)(ii). निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में प्रत्यय बताइए। 'गन्तव्यः' शब्द में प्रत्यय है

(A) तव्यत्

(B) क्त

(C) अनीयर्

(D) क्त्वा

13(a)(iii). निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में प्रत्यय बताइए। 'श्रीमान्' शब्द में प्रत्यय है

(A) क्त

(B) वतुप्

(C) मतुप्

(D) त्व

13(b). रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा सम्बन्धित नियम लिखिए: **कृष्णम् अभितः गोपाः।**

OR

रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा सम्बन्धित नियम लिखिए: **त्वं मया सार्धम् आपणं चल।**

OR

रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा सम्बन्धित नियम लिखिए: **प्रजाभ्यः स्वस्ति।**

14. मुहल्ले में आवारा कुत्तों की समस्या के समाधान के लिए नगर निगम को एक पत्र लिखिए।

OR

कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अपने मित्र को बधाई देते हुए पत्र लिखिए।